भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2756

दिनांक 05 अगस्त, 2025

लाभदायक आय के लिए परिवर्तनकारी कृषि

2756. श्री इटेला राजेंदर:

श्रीमती डी.के. अरूणा:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार और अन्य संबंधित संगठनों ने किसानों को लाभ पहुंचाने और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की भूमिका के बारे में बताने के लिए "लाभदायक आय के लिए परिवर्तनकारी कृषि" शीर्षक से किसी सेमिनार/वेबिनार का आयोजन किया है;

(ख) यदि हाँ, तत्संबंधी ब्यौरा और परिणाम क्या हैं;

(ग) क्या कोई अध्ययन किया गया और कोई समिति/कार्य बल नियुक्त किया गया और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) आईसीएआर के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए प्राप्त रिपोर्टों और उन पर की-गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख) : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) तथा अन्य संबंधित संगठनों ने हितधारकों की संवर्धित आय/उन्नत सामाजिक-आर्थिक स्थिति के लिए परिवर्तनकारी कृषि पर सेमिनारों/वेबिनारों का आयोजन किया है। कृषि में परिवर्तन हेतु अनेक इनोवेटिव प्रौद्योगिकियां विकसित की गईं हैं और उनका प्रसार किया गया है जिससे किसानों की आय में सुधार हो रहा है। इसमें शामिल हैं : गुणवत्ता बीज एवं रोपण सामग्री, जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियां, एकीकृत कृषि प्रणाली, प्राकृतिक कृषि, जैविक खाद्य उत्पादन, प्रेसिज़न कृषि, संरक्षित खेती का विकास। साथ ही इसमें कृषि आधारित उद्यमों जैसे कि वर्मी-कंपोस्टिंग, अहाता खेती (बैकयार्ड फार्मिंग), अलंकारिक मत्स्य पालन, खुम्ब की खेती तथा मधुमक्खी पालन आदि में उद्यमशीलता विकास एवं किसानों तथा अन्य हितधारकों का क्षमता निर्माण करना भी शामिल है। हालांकि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा ''लाभदायक आय के लिए परिवर्तनकारी कृषि'' शीर्षक पर किसी सेमिनार/वेबिनार का आयोजन नहीं किया गया।

(ग) एवं (घ) : किसानों की आय को दोगुना करने के लिए रणनीतियों का सुझाव देने हेतु किसानों की आय को दोगुना करने वाली समिति (DFI) बनाई गई थी। रिपोर्ट में भाकृअनुप द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रसार हेतु और किसानों द्वारा इन्हें अपनाने हेतु कृषि विस्तार सेवाओं के महत्व को दर्शाया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) जमीनी स्तर के एक ऐसे सर्वाधिक प्रभावशाली संस्थान हैं जो कि किसानों का सहयोग कर रहे हैं और प्रयोगशाला से खेत तक के अंतराल को कम करके, इनोवेशन लाकर, ग्रामीण किसान समुदाय में जानकारी, क्षमता निर्माण तथा विश्वास उत्पन्न कर उनकी मदद कर रहे हैं। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा किसानों के कौशल को बढ़ाया जाता है जिसमें इनके द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं, नई प्रौद्योगिकियों के अग्रिम-पंक्ति प्रदर्शन लगाए जाते हैं, बीज एवं रोपण सामग्री का वितरण किया जाता है, फसलों, पशुधन एवं जलवायु आदि पर परामर्शी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

****